चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	14-7-25	5	1-4

मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 13 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में हरियाणा व पंजाब राज्यों के विभिन्न जिलों के युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। उपरोक्त संस्थान द्वारा कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में विभिन्न विषयों पर पूरा वर्ष किसानों, बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं के कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। यह जानकारी देते हुए संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संस्थान किसानों एवं बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार और कौशल विकास हेतु समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रशिक्षण में हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश के विभिन्न प्रांतों से प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आते हैं। संस्थान में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद निर्माण, संरक्षित खेती, बेकरी,फल एवं सब्जी संरक्षण, डेरी फार्मिंग तथा नर्सरी उत्पादन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण नियमित रूप से दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि भूमिहीन युवा और किसान कम लागत में मशरूम उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा इसके उत्पादन, प्रसंस्करण पर अनुदान व ऋण देकर युवाओं को इसे एक रोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

प्रतिभागियों के साथ वैज्ञानिक।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोगों को मशरूम के पोषण और औषधीय गुणों के बारे में अनजान हैं।

मशरूम में खनिज विटामिनज, अमीनो एसिड, प्रोटीन पौषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं जो मानव शरीर के लिए अति आवश्यक होते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ सतीश कुमार मेहता, डॉ. विकास कांबोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. सरोज यादव, डॉ. पवित्रा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. डी के शर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. विकास हुड्डा ने मशरूम के बारे में प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	14-7-25	3	7-8

मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संम्पन

हिसार, 13 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संम्पन हुआ।

प्रशिक्षण में हरियाणा व पंजाब राज्यों के विभिन्न जिलों के युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। संस्थान के सह- निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संस्थान किसानों एवं बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार और कौशल विकास हेतु समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14-7-25	4	3-5

मशरूम के औषधीय गुणों से लोग अनजान

मशरुम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में हरियाणा व पंजाब राज्यों के विभिन्न जिलों के युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोगों को मशरूम के पोषण और औषधीय गुणों के बारे में अनजान है। मशरूम में खनिज विटामिनज, अमीनो एसिड, प्रोटीन पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं जो मानव शरीर के लिए अति आवश्यक होते हैं।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संस्थान में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद निर्माण, संरक्षित खेती, बेकरी, फल एवं सब्जी संरक्षण, डेरी फार्मिंग तथा नर्सरी उत्पादन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण नियमित रूप से दिए जाते हैं।

एचएयू में प्रतिभागियों के साथ वैज्ञानिक। स्रोत : संस्थान

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. विकास कांबोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. सरोज यादव, डॉ. पवित्रा, डॉ. सुमन गहलावत ने मशरूम के बारे में प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	14.7.25	9	5-8

मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन

कई राज्यों के प्रतिभागी ले रहे मशरूम का प्रशिक्षण

- कम लागत में मशरूम उत्पादन का व्यवसाय कर सकते हैं शुरू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में हरियाणा व पंजाब राज्यों के विभिन्न जिलों के युवक एवं युवतियों ने भाग लिया।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के मार्गदर्शन में इस संस्थान में विभिन्न विषयों पर पूरा वर्ष किसानों, बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संस्थान किसानों एवं बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार और कौशल विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रशिक्षण में हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश के विभिन्न प्रांतों से प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आते हैं। संस्थान में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद निर्माण, संरक्षित खेती, बेकरी, फल एवं सब्जी संरक्षण, डेरी फार्मिंग तथा नर्सरी उत्पादन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण नियमित रूप से दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि भूमिहीन युवा और किसान कम लागत में मशरूम उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा इसके उत्पादन प्रसंस्करण पर अनुदान व ऋण देकर युवाओं को इसे एक रोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोगों को मशरूम के पोषण और औषधीय गुणों के बारे में अनजान है। मशरूम में खनिज विटामिनज, अमीनो एसिड, प्रोटीन पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं जो मानव शरीर के लिए अति आवश्यक होते हैं।

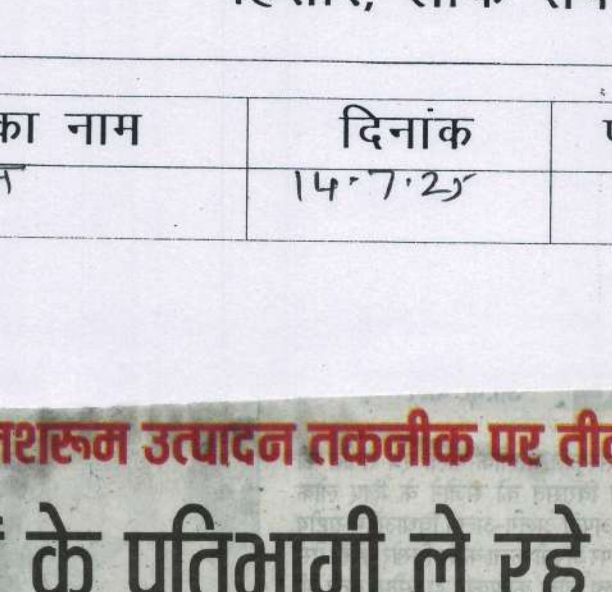

हिसार। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों के साथ वैज्ञानिक।

इन्होंने दी जानकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. विकास कांबोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. सरोज यादव, डॉ. पवित्रा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह व डॉ. विकास हुड्डा ने मशरूम के बारे में प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14-7-25	2	1-4

• एचएयू में आयोजित मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

मशरूम में खनिज, विटामिन, अमीनो एसिड प्रर्याप्त मात्रा में जो शरीर के लिए आवश्यक : डॉ. बलवान

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हकृवि से मशरुम फार्मिंग की ट्रेनिंग लेने वाले विद्यार्थी।

एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज के मार्गदर्शन में विभिन्न विषयों पर पूरा वर्ष किसानों, बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं।

संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संस्थान किसानों एवं बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार और कौशल विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम करता है। इसमें हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश के विभिन्न प्रांतों से प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आते हैं। संस्थान में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद निर्माण, संरक्षित खेती, बेकरी, फल एवं सब्जी संरक्षण, डेरी फार्मिंग तथा नर्सरी उत्पादन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण नियमित रूप से दिए जाते हैं।

विवि के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोगों को मशरूम के पोषण और औषधीय गुणों के बारे में अनजान हैं। मशरूम में खनिज विटामिनज, अमीनो एसिड, प्रोटीन पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो मानव शरीर के लिए अति आवश्यक होते हैं। इस दौरान डॉ. सतीश कुमार मेहता, डॉ. विकास कांबोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. सरोज यादव, डॉ. पवित्रा, डॉ. सुमन गहलावत, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. विकास हुड्डा ने मशरूम के बारे में प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	13.7.2025	--	--

मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ

हिसार, 13 जुलाई (महेन्द्र गोयल): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में हरियाणा व पंजाब राज्यों के विभिन्न जिलों के युवक एवं युवतियों ने भाग लिया। उपरोक्त संस्थान द्वारा कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में विभिन्न विषयों पर पूरा वर्ष किसानों, बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं के कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। यह जानकारी देते हुए संस्थान के सह- निदेशक डॉ अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि संस्थान किसानों एवं बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार और कौशल विकास हेतु समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रशिक्षण में हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश के विभिन्न प्रांतों से प्रतिभागी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आते हैं। संस्थान में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद निर्माण, संरक्षित खेती, बेकरी,फल एवं सब्जी संरक्षण, डेरी फार्मिंग तथा नर्सरी उत्पादन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण नियमित रूप से दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि भूमिहीन युवा और किसान कम लागत में मशरूम उत्पादन का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा इसके उत्पादन प्रसंस्करण पर अनुदान व ऋण देकर युवाओं को इसे एक रोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ बलवान सिंह मंडल ने बताया कि वर्तमान समय में अधिकांश लोगों को मशरूम के पोषण और औषधीय गुणों के बारे में अनजान हैं। मशरूम में खनिज विटामिनज, अमीनो एसिड, प्रोटीन पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में पाए जाते हैं जो मानव शरीर के लिए अति आवश्यक होते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ सतीश कुमार मेहता, डॉ. विकास कांबोज, डॉ राकेश कुमार चुघ, डॉ सरोज यादव, डॉ पवित्रा, डॉ सुमन गहलावत, डॉ संदीप भाकर, डॉ डी के शर्मा, डॉ भूपेंद्र सिंह, डॉ विकास हुड्डा ने मशरूम के बारे में प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।